DISH DOCTOR

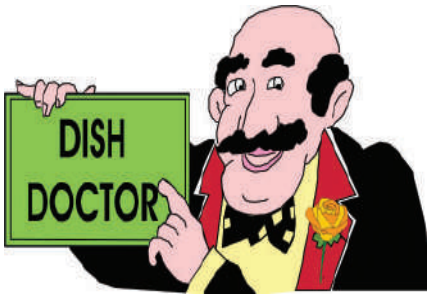

Ask us any questions or problems faced by you in the course of your business. Our DISH DOCTOR will try and answer them in the best way possible, in the simplest terms, avoiding the unnecessary use of technical terms where possible. The service is available free to our readers and subscribers.

Send Your Queries To: Dish Doctor, 312/313, A Wing,3rd Floor, Dynasty Business Park, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Mumbai – 400059. or Email: manoj.madhavan@nm-india.com. Now you can WhatsApp Your Dish Doctor Queries To: +91-91082 32956

NEW TECHNOLOGIES

Q: With OTT and IPTV growing, what new technologies should cable operators adopt to stay competitive?

Jayant Patnaik, Media Consultant, Orissa

Ans.: Technology is now the biggest differentiator for cable operators. To remain relevant, operators should focus on four key areas:

1. **Hybrid Set-Top Boxes (STBs):** Upgrading from traditional digital STBs to hybrid/IP-based boxes lets subscribers watch linear TV and OTT apps on the same device. Many MSOs are already testing Android TV–based boxes that combine broadcast channels with on-demand content.
2. **DOCSIS 3.1 & Fibre Upgrades:** Investing in DOCSIS 3.1 technology or moving to fibre-to-the-home (FTTH) enables gigabit broadband speeds. Since broadband is now the anchor revenue stream, operators who modernise their networks will stay ahead of churn.
3. **Cloud-based CAS & Middleware:** Moving conditional access systems (CAS) and subscriber management to the cloud reduces costs and improves scalability. It also allows operators to roll out new services faster—such as targeted advertising and flexible channel packs.
4. **Edge Caching & Content Delivery Optimisation:** With video traffic exploding, caching popular OTT content closer to end-users improves streaming quality and reduces bandwidth costs. Operators can partner with CDNs (Content Delivery Networks) to deploy edge servers in their headends.

Cable TV's future lies in convergence. Operators who adopt hybrid STBs, high-speed broadband, cloud platforms, and edge technology will transform into next-gen digital service providers—those who don't risk being left behind in the OTT era.■

नयी तकनीकें

प्रश्नः ओटीटी और आईपीटीवी के बढ़ते चलन के साथ, प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए केबल ऑपरेटरों को कौन सी नयी तकनीकें अपनानी चाहिए?

जयंत पटनायक, मीडिया सलाहकार, उड़ीसा

उत्तरः तकनीक अब केबल ऑपरेटरों के लिए सबसे बड़ा अंतर पैदा करने वाला कारक है। प्रासंगिक बने रहने के लिए, ऑपरेटरों को चार प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करना चहिएः

1. **हाई-ब्रिड सेट टॉप बॉक्स (एसटीबी)ः** पारंपरिक डिजिटल एसटीबी से हाइब्रिड/आईपी–आधारित बॉक्स में अपग्रेड करने से सब्सक्राइबर एक ही उपकरण पर लीनियर टीवी और ओटीटी ऐप्स देख सकते हैं। कई एमएसओ पहले से ही एंड्राइड टीवी आधारित बॉक्स का परीक्षण कर रहे हैं जो प्रसारण चैनलों को ऑन डिमांड सामग्री के साथ जोड़ते हैं।
2. **DOCSIS 3.1 और फाइबर अपग्रेडः** DOCSIS 3.1 तकनीक में निवेश या फाइबर–टू–दॅ–होम (एफटीटीएच) पर स्विच करने से गीगाबिट ब्रॉडबैंड स्पीड प्राप्त होता है। चूंकि ब्रॉडबैंड अब राजस्व का मुख्य स्रोत है, इसलिए जो ऑपरेटर अपने नेटवर्क का आधुनिकीकरण करेंगे, वे बदलाव से आगे रहेंगे।
3. **क्लाउड आधारित सीएएस और मिडलवेयरः** कंडीशनल एक्सेस सिस्टम (सीएएस) और सब्सक्राइबर प्रबंधन को क्लाउड पर ले जाने से लागत कम होती है और स्केलेबिलिटी में सुधार होता है। इससे ऑपरेटरों को लक्षित विज्ञापन और लचीले चैनल पैक जैसी नयी सेवायें तेजी से शुरू करने में मदद मिलती है।
4. **एज कैशिंग और कंटेंट डिलीवरी ऑप्टिमाइजेशनः** वीडियो ट्रैफिक में तेजी से हो रही वृद्धि के साथ लोकप्रिय ओटीटी कंटेंट को अंतिम उपयोगकर्ताओं के पास कैश करने से स्ट्रीमिंग की गुणवत्ता में सुधार होता है और बैंडविड्थ की लागत कम होती है। ऑपरेटर अपने हेडएंड में एज सर्वर लगाने के लिए सीडीएन (कंटेंट डिलीवरी नेटवर्क) के साथ साझेदारी कर सकते हैं।

केबल टीवी का भविष्य कन्वर्जेंस में निहित है। जो ऑपरेटर हाइब्रिड सेट टॉप बॉक्स, हाई स्पीड ब्रॉडबैंड, क्लाउड प्लेटफॉर्म और एज टेक्नोलॉजी को अपनायेंगे, वे अगली पीढ़ी के डिजिटल सेवा प्रदाता बन जायेंगे–जो ओटीटी युग में पीछे छूटने का जोखिम नहीं उठायेंगे। ■